SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRIMATI JHARNA DAS BAIDYA (Tripura): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI K. K. RAGESH (Kerala): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI K. SOMAPRASAD (Kerala): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने आपको इससे सम्बद्ध करती हूं।

SOME HON. MEMBERS: Sir, we too associate ourselves with the matter raised by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes; all those who associate, their names will be added. I think the Government should consider it.

Non-payment of compensation to the land owners for the land acquired by army after the war of 1965 in Jammu region

श्री शमशेर सिंह मन्हास (जम्मू और कश्मीर): आदरणीय उपसभापति जी, मैं एक बहुत ही जरूरी विषय की ओर सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। जो 1965 में भारत और पाक का युद्ध हुआ था, उसमें छम्ब सेक्टर हमारे हाथ से चला गया और उस समय पाकिस्तान की आर्मी काफी आगे तक आ गई थी, तो खोड़ ब्लॉक के आगे आर्मी ने चाहा कि हम कुछ जगह को एक्वायर करें और उसने कुछ जगह को एक्वायर भी किया। उसके बाद उसकी जरूरत नहीं समझी गई। वहां पर एक डिच नहर बनाई गई। उसके बाद वह जगह लोगों के पास रही और लोगों ने वहां पर रहना शुरू कर दिया। वहां पर एक हजार से ज्यादा परिवार रह रहे होंगे। वहां पर जो एक हजार परिवार रह रहे हैं, उनकी रोजी-रोटी का साधन भी वही है, क्योंकि उस जमीन पर वे खेतीबाड़ी करते हैं। खेतीबाड़ी के अलावा वहां पर और कोई साधन नहीं है। अभी डिफेन्स की ओर से बात चल रही है कि उस जगह को वापस लिया जाए। मैं कहना चाहता हूं कि जो जगह एक्वायर की गई थी, अगर वह जगह उन लोगों से वापस ले ली जाएगी, सन् 1965 से लेकर आज तक उसकी जरूरत नहीं पड़ी और लगता है आगे आने वाले दिनों में उसकी कोई जरूरत होगी। वहां पर एक हजार परिवार तो हैं ही, अगर वहां पर डिच बनती है, जहां ये पांच हजार परिवार चक मलाल, मज्जल मलाल और धलौटी में रहते हैं, ये तीनों गांव उजड़ जाएंगे। वहां कोना सा बनता है और साइडों से छम्ब सेक्टर के लोग आ सकते हैं, इसलिए मैं समझता हूं कि यहां पर डिच बनाने की आवश्यकता नहीं है। मैं रक्षा विभाग से निवेदन करना चाहता हूं कि इस

[श्री शमशेर सिंह मन्हास]
समस्या को लेकर वहां के लोगों के साथ मिलकर बात करें और इस समस्या का समाधान ढूंढ़े। इसका कैसे निवारण हो सकता है, कैसे यह जगह उनको वापस दी जा सकती है, जो वहां 1965 से पहले के बसे हुए हैं, उस जगह को एक्वायर करने की बात की गई थी, उस समय अगर वह जगह ले ली जाती, तो वहां पर जो 40 से 50 परिवार थे, आज वे परिवार हजार से ऊपर हो गए हैं। वे वहां पर रहने का अपना प्रबंध कर सकते थे। आज की डेट में बहुत ही मुश्किल है। इसलिए मैं रक्षा मंत्रालय से एक निवेदन करना चाहता हूं कि यदि वे बहुत जरूरी मानते हैं, तो उनको दूसरी जगह बसाने का प्रयास करें अन्यथा उस जगह की जरूरत नहीं है और उस जगह को वहीं रहने दें और उस जगह पर उन लोगों को बसने दें, ताकि उनकी रोजी-रोटी का साधन बना रहे। वे लोग जो कार्य करते रहे हैं, वह कार्य करते हैं, मैं यही निवेदन करना चाहता हूं।

श्री आर. के. सिन्हा (बिहार): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने आपको इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री दिलीपभाई पंडया (गुजरात): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने आपको इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री महेश पोद्दार (झारखंड): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने आपको इससे सम्बद्ध करता हूं।

महंत शम्भुप्रसादजी तुंदिया (गुजरात): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने आपको इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री चुनीभाई कानजीभाई गोहेल (गुजरात): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने आपको इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री लाल सिंह वडोदिया (गुजरात): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने आपको इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री गोपाल नारायण सिंह (बिहार): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने आपको इससे सम्बद्ध करता हूं।

श्री अमर शंकर साबले (महाराष्ट्र): महोदय, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं भी अपने आपको इससे सम्बद्ध करता हूं।

SHRI SURESH GOPI (Nominated): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI SHWAIT MALIK (Punjab): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SOME HON. MEMBERS: Sir, we too associate ourselves with the matter raised by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes; all those names may be added. So many are supporting.